भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4004
दिनांक 19.12.2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

पेयजल के प्राचीन स्रोतों को पुनर्जीवित करना

4004. श्री ओमप्रकाश भूपालसिंह उर्फ पवन राजेनिंबालकरः

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) क्या सरकार ने पेयजल के गंभीर संकट से निपटने के लिए पेयजल के प्राचीन स्रोतों को पुनर्जीवित करने के लिए कोई कार्य योजना प्रस्तावित की है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त योजना के अंतर्गत शामिल किए जाने वाले पेयजल के प्राचीन स्रोतों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;
(ग) उस नदी और बांध का नाम क्या है जिसे उस्मानाबाद में पीने के पानी के मुख्य स्रोत के रूप में उक्त योजना में शामिल किया गया है; और
(घ) उस्मानाबाद में संबंधित बांधों में पानी लाने का लक्ष्य कब तक पूरा होने की संभावना है और इस संबंध में लागू की जाने वाली इस योजना का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, जल शक्ति
(श्री वी. सोमण्णा)

(क) से (घ) जल राज्य का विषय है। जल आपूर्ति और जल संसाधन प्रबंधन योजनाओं की आयोजना, डिजाइन, अनुमोदन, लागू, संचालन और रखरखाव करने की शक्ति महाराष्ट्र सहित राज्यों के पास है। जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग (डीओडब्ल्यूआर, आरडी और जीआर) तथा जल संसाधन विभाग, महाराष्ट्र सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, उस्मानाबाद जिले में तेरना नदी पर तेरना बांध और स्थानीय नाले पर रुईभर बांध उस्मानाबाद जल आपूर्ति की पुरानी योजनाओं के मुख्य स्रोत हैं।

इस प्रकार, व्यक्तिगत परियोजनाओं का विवरण, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ स्रोत की पहचान, जलापूर्ति योजनाओं के लिए चयन और व्यक्तिगत प्राचीन जल स्रोतों का पुनरुद्धार शामिल है, इस विभाग द्वारा नहीं रखा जाता है।

भारत सरकार तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करके राज्यों के प्रयासों में सहायता करती है। भारत सरकार अगस्त, 2019 से राज्यों की भागीदारी में जल जीवन मिशन (जेजेएम) को लागू कर रही है, ताकि महाराष्ट्र के ग्रामीण परिवारों सहित देश के प्रत्येक ग्रामीण परिवार को पीने योग्य नल जल उपलब्ध कराया जा सके। अगस्त 2019 में जल जीवन मिशन की शुरुआत में महाराष्ट्र के उस्मानाबाद जिले में केवल 1.18 लाख (40.74%) ग्रामीण परिवारों के पास नल जल कनेक्शन होने की सूचना थी। अब तक, राज्य द्वारा सूचित किए गए अनुसार, 17.12.2024 तक, लगभग 1.30 लाख और ग्रामीण परिवारों को नल जल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। इस प्रकार, 17.12.2024 तक, उस्मानाबाद जिले के 2.89 लाख ग्रामीण परिवारों में से 2.47 लाख (85.72%) से अधिक परिवारों के पास उनके घरों में नल जल आपूर्ति उपलब्ध होने की सूचना है।

जल जीवन मिशन के अंतर्गत, गांवों में जलापूर्ति बुनियादी ढांचे के सृजन के अलावा पेयजल स्रोतों के विकास/सुदृढ़ीकरण/संवर्धन; तथा पानी की कमी वाले सूखाप्रवण और रेगिस्तानी क्षेत्रों में जहां भूजल के विश्वसनीय स्रोत नहीं हैं, वहां पानी के बड़े पैमाने पर अंतरण, शोधन और वितरण प्रणालियों के लिए बुनियादी ढांचे हेतु प्रावधान किए गए हैं।

पेयजल सुरक्षा हासिल करने के लिए, प्रत्येक गांव को जल जीवन मिशन के तहत 5-वर्षीय ग्राम कार्य योजना तैयार करनी होगी, जिसमें *अन्य बातों के साथ-साथ* पेयजल स्रोतों का संवर्धन और सुदृढ़ीकरण शामिल है, जिसे ग्राम स्तर पर अन्य योजनाओं जैसे मनरेगा, ग्रामीण स्थानीय निकायों (आरएलबी)/पीआरआई को 15वें वित्त आयोग से सशर्त अनुदान, एकीकृत वाटरशेड प्रबंधन कार्यक्रम (आईडब्ल्यूएमपी), राज्य योजनाएं, जिला खनिज विकास निधि, सीएसआर निधि, सामुदायिक योगदान आदि के सामंजस्य में किया जाएगा।

*****